धरोहर

महाविद्यालयीन e-पत्रिका 2022

डॉ. भीमराव अम्बेडकर शास. महाविद्यालय
पामगढ़, जांजगीर चाम्पा (छ.ग.)
॥ श्रद्धावान् लभते ज्ञानम् ॥

महाविद्यालय परिवार

प्रथम पंक्ति (बाएं से दायें) डॉ. डी. एस. ठाकुर(हिंदी), प्रो. बी.पी. पाटले (प्राचार्य),
प्रो. जे. पी. साहू (विभागाध्यक्ष वाणिज्य), डॉ. एस. आर. महेंद्र (विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र)
द्वितीय पंक्ति (बाएं से दायें)
प्रो. मीरा टंडन (वाणिज्य), प्रो. अल्का शुक्ल (अंग्रेज़ी), डॉ. एस. के. अग्रवाल (प्राणिशास्त्र), डॉ. आशीष तिवारी (रसायनशास्त्र), श्री कमलेश साहू (लैब. तकनीशियन), श्री आर. एस. अली (लैब. तकनीशियन), श्री दिनेश ध्रुव (भृत्य), श्री रवि कुमार मरावी (भृत्य), श्री शरद श्रीवास (पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय), श्री समारू राम खूंटे (चौकीदार) श्री विपिन चंदेल (पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय)।

Mr. Alok Chaturvedi (English), Mr.R. S. Vishwakarma (Political Science), Dr. D.S. Thakur (Hindi) Prof. B.P. Patley (Sociology) Dr. S.R. Mahendra (HOD, Political Science) Mrs. Alka Shukla (English), Miss Mira Tandon (Commerce) Mrs. Chandni Chabbra (Mathematics) Miss. Santoshi Uraon(Geography) Miss Nidhi Tiwari(Botany), Miss Durgeshwari Patel (Physics)

प्राचार्य कि कलम से

"शिक्षा के अलावा अज्ञान के अंधेरे से लड़ने के लिए कोई अन्य बड़ा हथियार नहीं हो सकता है! "

डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय का प्रमुख उत्कृष्टता को हासिल करना है और निरंतर रूप से हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते जा रहे हैं। हमारे समस्त प्राध्यापकगण व अन्य सदस्य सभी पृष्ठभूमि के छात्र-छात्राओं को एक मंच पर लाकर सामाजिक , शैक्षिक व आर्थिक ज्ञान देकर समाज में बेहतर भविष्य देने के लिए निरंतर कार्यरत हैं । इसके अलावा नई पीढ़ी के बीच एकता और अखंडता की भावना को बढ़ावा देने और उन्हें भारतीय और वैश्विक समुदाय के नागरिकों के योगदान करने में सक्षम करने पर भी ज़ोर दिया जा रहा है। निरंतर तीसरे वर्ष भी यह संकल्प किया की छात्र छात्राओं के विचारों को माध्यम प्रदान करें रचनाएं। सार्वभौमिक और सर्वकालिक होती हैं धरोहर के तीसरे अंक के संपादन और रूपा कार्य के लिए मैं आइक्यूएसी और समग्र धरोहर टीम को बधाई देता हूं। प्रचार के रूप में धरोहर ई-पत्रिका का तीसरा अंक आपके हाथ में सौंपते हुए जिस हर्ष का अनुभव हो रहा है उसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है आप सभी को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

प्राचार्य

Patron - Mr. B.P. Patley

Chief Editor: Dr. Ashish Tiwari

(IQAC COORDINATOR)

Editors - Dr. D.S. Thakur (Hindi)

Mr. J. P. Sahu (Commerce)

Dr. S.R. Mahendra (Political Science)

Mrs. Alka Shukla (English)

Ms. Mira Tandon (Commerce)

Ms. Santoshi Uraon (Geography)

सम्पादकीय

कॉलेज पत्रिका "धरोहर-22" का हिस्सा होना मेरे लिए बहुत गर्व और सौभाग्य की बात है। यह प्रत्येक छात्र को अपने सीखने के कौशल को विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। कॉलेज का मुख्य जोर अतिरिक्त पाठ्यचर्या और सह पाठयक्रम गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को आकार देने के लिए मानवीय उत्कृष्टता प्राप्त करना है और उनमें नैतिक मूल्यों को स्थापित करना है जो हमारी नवोदित प्रतिभाओं ने अपने विचारों को व्यक्त किया हैए विचारोंए आशाओंए भावनाओं की आकांक्षाओं और विश्वासों को एक में रचनात्मक तरीका वास्तव में यह है कि कैसे उनके मानसिक 3 मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक क्षितिज को विस्तृत करता है कॉलेज पत्रिका यह दर्शाती है कि कैसे कॉलेज अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है जैसा कि आप पृष्ठों के माध्यम से देख सकते हैं यह आपको प्रबुद्ध करेगा इस वर्ष हमारे कॉलेज ने जो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं मैं इस रचनात्मक कार्य के लिए मुझ पर विश्वास करने के लिए हमारे प्रिंसिपल को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। संपादकीय बोर्ड के हमारे सम्मानित सदस्यों और छात्र सदस्यों को भी उनके सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं

डॉ. आशीष तिवारी

IQAC Coordinator

Interesting facts in Chemistry

डॉ. आशीष तिवारी

सहायक प्राध्यापक (रसायनशास्त्र)

1. Lightning strikes produce Ozone, hence the characteristic smell after lightning storms
2. The only two non-silvery metals are gold and copper
3. Glass is actually a liquid, it just flows very, very slowly
4. car's airbags are packed with salt sodium azide, which is *very* toxic
5. Mars is red because of iron oxide
6. Talc is the softest material found on earth.
7. Apple seeds are extremely poisonous. It contains amygdalin, which is turned into cyanide if chewed.
8. The metal, namely Gallium can melt in your palm, as it has a melting point of 29.76°C.
9. Giving chocolate, to Dogs are harmful as it contains theobromine sffecting nervous system and heart.
10. Helium is actually a superfluid. At 2.17K temperature is the Lambda Point for this element, as it is the stage of zero viscosity and can flow quickly through any hole in the machinery.

।। स्वामी विवेकानंद जी का सामाजिक चिंतन।।

स्वामी विवेकानन्द जी की रचनाओं में सामाजिक समानता का समर्थन देखने को मिलता है। वे स्वयं भारत भ्रमण के समय अपनी ऑखों से भयानक निर्धनता, अज्ञानता, नग्न बच्चें, अर्धनग्न स्त्री-पुरूष, निर्धन ग्रामीण, धार्मिक आडम्बर, अंधविश्वास, सामाजिक कुरूतियों आदि के रूप में भारत का दर्शन किया। स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा- राष्ट्र का गौरव महलों में सुरक्षित नहीं रह सकता झोपड़ियों की दशा भी सुधार करना होगा। यदि गरीबों एवं पिछड़े हुए लोगों को दीन-हिन रखा गया, तो देश व समाज का कोई कल्याण नही हो सकता। विवेकानन्द जी की समाजवादी अंतरात्मा ने चीताकर कहा- ''मै उस भगवान या धर्म पर विश्वास नहीं कर सकता। जो न तो विधवाओं के ऑसू पोछ सकता है और न तो अनाथों के मुंह मे एक टुकड़ा रोटी ही पहुंचा सकता है।'' स्वामी विवेकानन्द जी ने स्वयं पर विश्वास करने की प्रेरणा देते हुए कहा- आत्मविश्वास रखने पर ही व्यक्ति में कुछ करने की क्षमता विकसित होती हैं और आत्मविश्वासी समाज ही समस्त बाधाओं को लांघकर उपर उठता है। विवेकानन्द जी ने कहा- ''लोग कहते हैं इस पर विश्वास करो उस पर विश्वास करो पर मै कहता हूँ, पहले अपने आप पर विश्वास करो, वे हमेशा कहा करते थे कि जो तुम्हें उचित लगे वही मार्ग अपनाओं क्योकि तुम्हारा जीवन और उसकी दिशा का निर्धारण केवल आप ही कर सकते हो।

''जब तक आप खुद पे विश्वास नही कर सकते।
तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।''

.....स्वामी विवेकानन्द जी

डॉ. एस.आर. महेन्द्र
(कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना)
डॉ. भीमराव अम्बेड़कर शासकीय महाविद्यालय पामगढ़
जिला-जॉजगीर- चाम्पा (छ. ग.)

।। मैं संविधान हूँ ।।

मैं भारत का पहचान हूं, हर नागरिक का मुस्कान हूं ।
बच्चे बुढे सभी का अरमान हूं, घर से लेकर संसद तक विराजमान हूं।
मैं भारत का संविधान हूं ।। 1।।

मैं भेदभाव तो करता नहीं, इसलिए किसी से डरता नहीं।
मेरे लिए सब समान हैं मैं रखता सभी का ध्यान हूँ।।
मैं भारत का सविधान हूं ।। 2।।

मुझसे कब तक रहोगे अनजान, मैं सबसे बड़ा लिखित फरमान।
अन्याय कभी न होने दुंगा, न कभी किसी का पक्ष लुंगा
मैं जीता जागता इंसान हूं।
मैं भारत का संविधान हूं ।। 3।।

मैं हर एक के दिल मे रहता हूं, एक बात मैं तुमसे कहता हूं
मुझमें वो सारी खुबी हैं, इस लिए पढ़ना तुम्हें जरूरी हैं।
मैं सर्वशक्ति हूँ,मैं भारत का संविधान हूँ ।। 4।।

डॉ. एस.आर. महेन्द्र
(कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना)
डॉ. भीमराव अम्बेड़कर शासकीय महाविद्यालय पामगढ़
जिला-जॉजगीर- चाम्पा (छ. ग.)

।। राष्ट्रीय सेवा योजना – व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र निर्माण ।।

देश के समस्त लोगों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास के बिना राष्ट्र निर्माण की कल्पना अधुरा सा प्रतीत होता है।विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में समस्त पाठ्योत्तर गतिविधियों के संचालन होने के साथ-साथ रा.से.यो. कालक्रम के आधार पर हमें हमारे व्यक्तित्व को निखारने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हो पाता है। इसके आधार पर हमें अपने बौद्धिक-ज्ञान, सांस्कृतिक, मानसिक परिपक्वता एवं व्यवहारिकता के साथ-साथ एक अच्छा चरित्र निर्माण जैसे अमुल्य तत्वों से रूबरू होते हैं। जाहां हम दैनिक दिनचर्या मे समस्त कार्यों के प्रति कर्तव्य परायण एवं समय बद्धता को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ वहन करते हैं। जिससे इन सभी विषयों पर हमें एक नया सीख मिलता हैं।

दूसरी ओर जाहां स्थानीय लोगों से व्यवहारिक, वैचारिक एवं नैतिक रूप से जुड़ने का अवसर प्राप्त होते हैं। परियोजना कार्यों के माध्यम से समाज प्रत्येक व्यक्ति को श्रम का महत्व, सामाजिक चेतना, स्वच्छता एवं स्वविवेकी जैसे तत्वों गहराई से अवगत कराते हैं।

एक साथ अनेक भाषा, धर्म, जाति, वेशभूसा आदि होते हुए भी ''अनेकता में एकता यह भारत की विशेषता'' को चरितार्थ करते हुए। आपस में प्रेम, सौहार्द, दया, स्नेह एवं सद्भावना का परिचय देते हैं।

उपर्युक्त विवेचना में हम सभी ''मै, मेरा एवं उसका'' जैसे स्वार्थ परत व्यवहार का त्याग कर ''हम और हमारे'' जैसे सर्वहित व्यवहार के साथ परिवेश में रहते हैं और निश्चित ही हमें तमाम प्रकार के इस शैक्षणिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक वातावरण में रहते हुए राष्ट्र सेवा का छोटा सा प्रयास करते हैं। जिसका हमारे जीवन में सकारात्मक प्रभाव पड़ता हैं।

हमें इस सीख को व्यक्तिगत जीवन में आत्मसाध करने या इमली-जामा पहनाने की आवश्यकता है, क्योकि इसका उद्धेश्य या आशय समाज और राष्ट्र को सर्वोपरि रखना हैं न कि व्यक्ति विशेष को। इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना वह माध्यम है, जिसका महत्व व लाभ का इतने कम शब्दों में परिभाषित या उल्लेख नहीं किया जा सकता। उपर्युक्त लेख से यह स्पष्ट होता हैं, कि हम अपने चरित्र व व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र-निर्माण में अपना शत्-प्रतिशत् सहभागिता सुनिश्चित करा सकते हैं। दूसरे शब्दों में यह राष्ट्र निर्माण के लिए अनूठा कदम होगा। इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से हम सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ राष्ट्र-निर्माण के लिये महत्वपूर्ण अमूल्य तत्वों एवं प्राथमिताओं को हासिल कर पायेगें ।

सोमेश कुमार श्रीवास
(बी.ए. द्वितीय वर्ष)
डॉ. भीमराव अम्बेड़कर शासकीय महाविद्यालय पामगढ़
जिला-जॉजगीर- चाम्पा (छ. ग.)

"MATHEMATICS IS NOT SCIENCE BUT MATHEMATICS IS THE QUEEN OF ALL SCIENCES"

Whether we realize it or not, mathematics is around us, in our everyday life, and we are using the subject. Mathematics exists in nature. Mathematics is used in the kitchen; when we prepare our food, we must put in enough amounts of salt and spices in the curry, otherwise it will be too hot, we go shopping, and when we are on the highway. Even then, whenever we talk about tasteless, or very salty. To build a house we need mathematics for its shapes and to estimate the cost

needed. Many fear the subject; they have the mathematic phobia, and try to avoid it. The fact is that, mathematics forms part of our life. We have to make the public aware of this. This is the duty of mathematicians or mathematical scientists. Popularization of mathematics could be done at various levels in the society..

1: Math consider to be the base of other subjects. Many other topics, such as chemistry, physics, and statistics, are built on the basis of math.

These fields would not be possible without mathematical formulas and notions. We couldn't describe the world without several of these fields. So don't declare that you'll never study math again!

Following mathematical operations are required such as:

- Algebra.
- Addition, multiplication, subtraction, and division are all examples of basic math.
- Linear Programming is a type of programming that is used to solve.

2:Automobile manufacturers

Automobile manufacturers must understand the demand to build the right number of vehicles. In addition, businesses aim to maximize their earnings. They can compute the optimum price for their autos using mathematical techniques. A business cannot be profitable and grow in the long run if it does not use math.

Following mathematical operations are required in this field:

- Addition, multiplication, subtraction, and division are all examples of basic math.
- Statistics
- Ratios

 Algebra

3: Interior Designing

After they graduate from high school, many students choose to pursue a career in interior design. However, most individuals are unaware that the profession lists out a significant amount of arithmetic. Finances are determined, and the rooms' interiors need to be designed depending on their size and volume. Different mathematical principles are required to compute the layout.

Following mathematical operations are required such as:

 Geometry

 Ratios

 Again, addition, multiplication, subtraction, and division are all examples of basic math.

4: Computer Applications

Have you ever wondered how a computer operates? How quickly does it perform each task in a logical and sequential order? The use and significance of mathematics is the simple reason for this. In computer science, the subjects of mathematics and computers interact. Without arithmetic, studying computer applications is nearly difficult. Computation, algorithms, and other principles create the basis for various computer applications such as PowerPoint, Word, Excel, etc.

Applications:

 Algorithm

 Cryptography

 Computation

 Coding Methods

5: Navigate Uncertainty

Even a simple understanding of probability and uses of statistics can help you improve games of chance and gambling. Knowledge of odds, ratios, and percentages allows you to earn money through sports betting or financial trading. But it also allows you to understand better how the world works. It also helps you to analyze the causes of activity better and opens up the domain of

sports betting. Your thinking grows more complex when you realize that the universe is more probabilistic than deterministic in nature. This improves the accuracy of your forecasts and the precision of your judgments.

Following mathematical operations are going to require:

 Percentage

 Ratios

 Again, addition, multiplication, subtraction, and division are all examples of basic math.

Mrs Chandni Chhabra Dua
Assistant Professor
Department of Mathematics

Some Interesting facts about English

Language is so extensive that we can never fully cover it.There is always some thing new to learn and add to our mental dictionaries and vocabularies.So, here are few interesting facts about the English language that you didn't know.

1."Go" is the shortest complete sentence in the English language.

2. A Pangram sentence is one that contains every letter in the language.for example-
"The quick brown fox jumps over the lazy dog."

3. A new word is added to the dictionary every 2 hours.

4. Words we always use even though they add no meaning or value to a sentence are called crutch words.
For example- "Then I was like.OMG, then like,he went there and like..." It's pretty obvious that 'like' is a crutch word.

5. Girl used to mean small boy or girl.It is used to mean 'child' or 'young person's regardless of the gender.

6. There is no word in english that rhymes with month, orange, silver .

7.The dot over the letter 'i' and 'j' are called tittleor superscript dot.

8.The word 'alphabet' comes from the first two letters of the Greek alphabet-alpha and ,beta.

9.In normal usage, the#symbol has several names, for example-Hash,pound sign, number sign.

10.In english,the@ symbol is usually called 'the at sign' or 'the at symbol.

Mrs.Alka Shukla
Asst.Professor
Department of English
Dr.B.R.Ambedkar Govt. College,Pamgarh

मेरी आवाज़

मीडिया वालों सरकारों के न्यूज़ के साथ - साथ ज़रा गरीबों पर भी प्रकाश डाल लीजिए ....
उनके बारे में भी कुछ बता दीजिए ....

उन गरीबों से पूछिए जब खाना नही मिलने पर उन्हें भूखे पेट सोना पड़ता है,
सड़कों को बिस्तर समझके अपनी नींद पूरी करते हैं।
और अपने पेट को भरने के लिए दर - दर भटकना पड़ता है।
फटे पुराने कपड़ों के साथ ही अपनी जिंदगी गुजारनी पड़ती है।

क्या बताएं गरीबों कि दर्द की दासता ,
जितना भी बताएं कम है..
इनके आखों को पढ़ो तो जानो कितना दर्द भरा है इन गरीबों के आखों में,
कभी बैठकर दो चार बाते करो इन गरीबों के साथ तो जानो की ये इतने ख़ामोश क्यूं रहते है ?

दर्द से लिपटा है इनका तन , फिर भी नही देख पा रहा है ये जंग।
इन्हे गाली देने के बजाय इनसे दो पल के मीठे वचन तो बोलिये।
न मारिये इनके पेट पर पैर , इन्हे दो पल के सुख की रोटी तो दीजिए ।
अरे दे ही नही सकते दो वक्त की रोटी तो , इन्हें ताने भी न दीजिए ।

" न करो इतना घमंड इस मिट्टी के मानुष तन पर तेरा भी मालिक एक , मेरा भी मालिक एक तो काहे का मानुष तन अनेक "

Name - Aarti varma
Class - B.sc. second year (Bio)

नीडर हूँ, मैं

नीडर हूँ, मैं-2
आगे बढ़े चलूँगी, मैं
कदम हैं मेरे कोशिश के जो आगे की ओर ही चलेंगे
यूँ, तो मुश्किलें कुछ ज्यादा ही मिलेंगी मुझे इन राहों पर..... पर मुझको को तो आगे बढ़ना ही हैं
क्योंकि नीडर हूँ, मैं
आज मुझे शुरुआत करनी हैं एक कदम की...
ताकि कल एक नये समाज को बना पाऊँ, मैं
आज खुद पढ़ना हैं, मुझे
ताकि कल औरों को पढ़ा पाऊँ, मैं
आज कुछ बनना हैं, मुझे
ताकि कल औरों को कुछ बना पाऊँ, मैं
यकीन हैं, मुझे खुद सीख कर औरों को सिखाने की कोशिश कर सकती हूँ, मैं
क्योंकि नीडर हूँ ,मैं
आज खुद काबिल हो कर,
कल औरों को काबिल कर पाऊँगी, मैं
आज खुद को माता-पिता और गुरुजनों के कर्ज़ को चुकाने के लायक करने की कोशिश करती हूँ,
ताकि कल औरो को लायक कर पाऊँ, मैं
क्योंकि नीडर हूँ ,मैं-2

शांति ओग्रे
बी.एस. सी.-द्वितीय वर्ष

वो मायें थी

वो मायें थी
जिन्होंने हाथ में झाड़ू के जगह पर
कलम दिया

वो मायें थी जिन्होंने ससुराल के दरवाजे की जगह
विद्यालय के द्वार खुलवाएं थे

वो मायें थी जिन्होंने काले टीके की जगह
हमारे माथे पर ज्ञान और शिक्षा का टीका लगाया था

वो मायें थी जिन्होंने हमारा अधिकार दिलवाया था

वो माये थी जिन्होंने चूल्हे के काले धुएं से हटकर
सामाजिक रौशनी से परिचय कराया था

वो मायें थी जिन्होंने मुझे किसी देश से नहीं
वरन मेरे देश में रह रहे
पुरुष प्रधान समाज में
एक सशक्त स्त्री का स्थान दिलाया था।
°
°
°

शिक्षक दिवस पर भारत में स्त्री शिक्षा की शुरुआत करने वाली दो महानायिकाओं- सावित्री बाई फुले और फातिमा शेख़ को नमन , जिन्होंने 1848 में लड़कियों का पहला स्कूल स्थापित किया और शिक्षा के द्वार हर किसी के लिए खोल दिए।

Name-Rachna Sagar
Class- B.sc second year (bio)

Art Gallery :

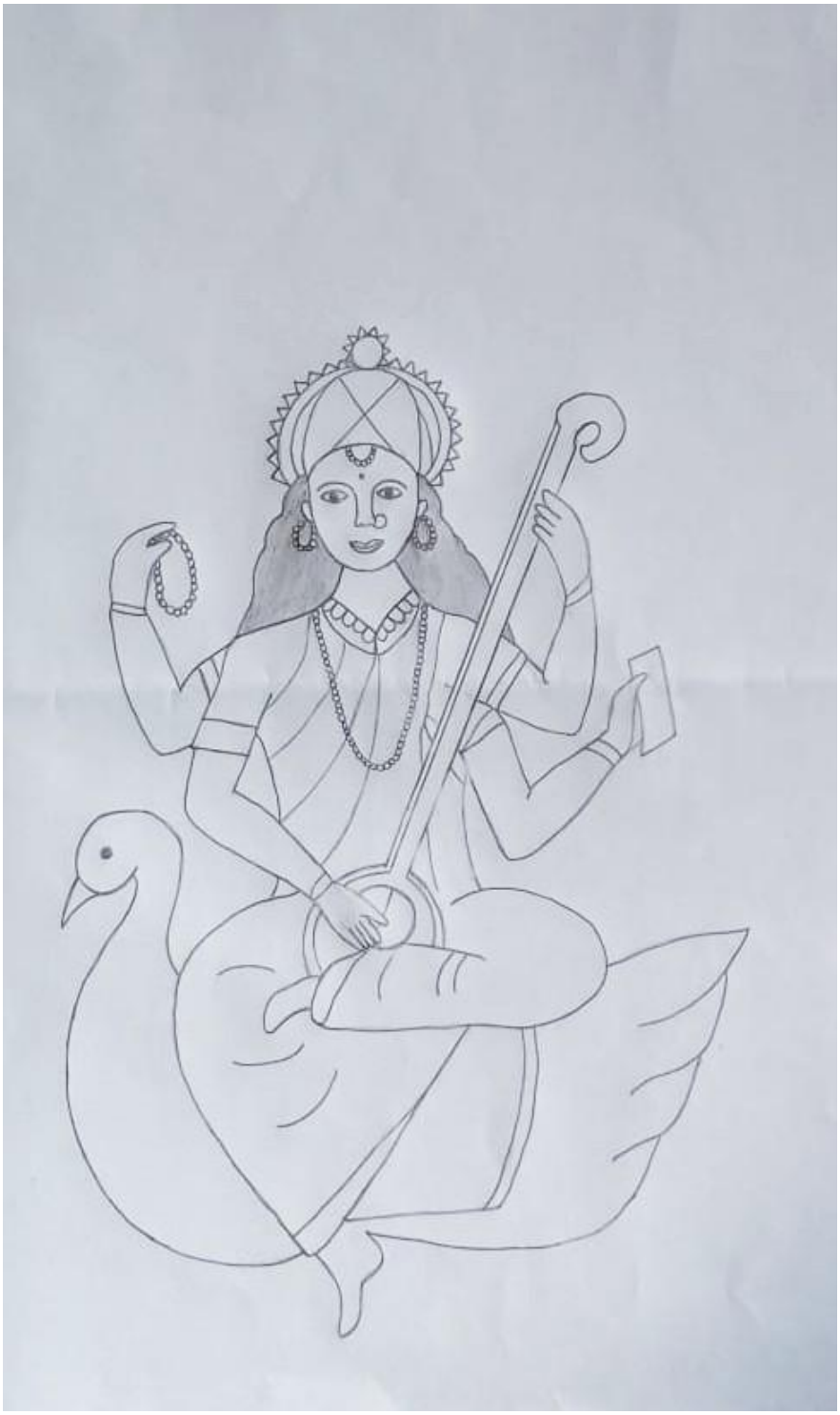

Aarti Kewat
B.Sc.final Maths

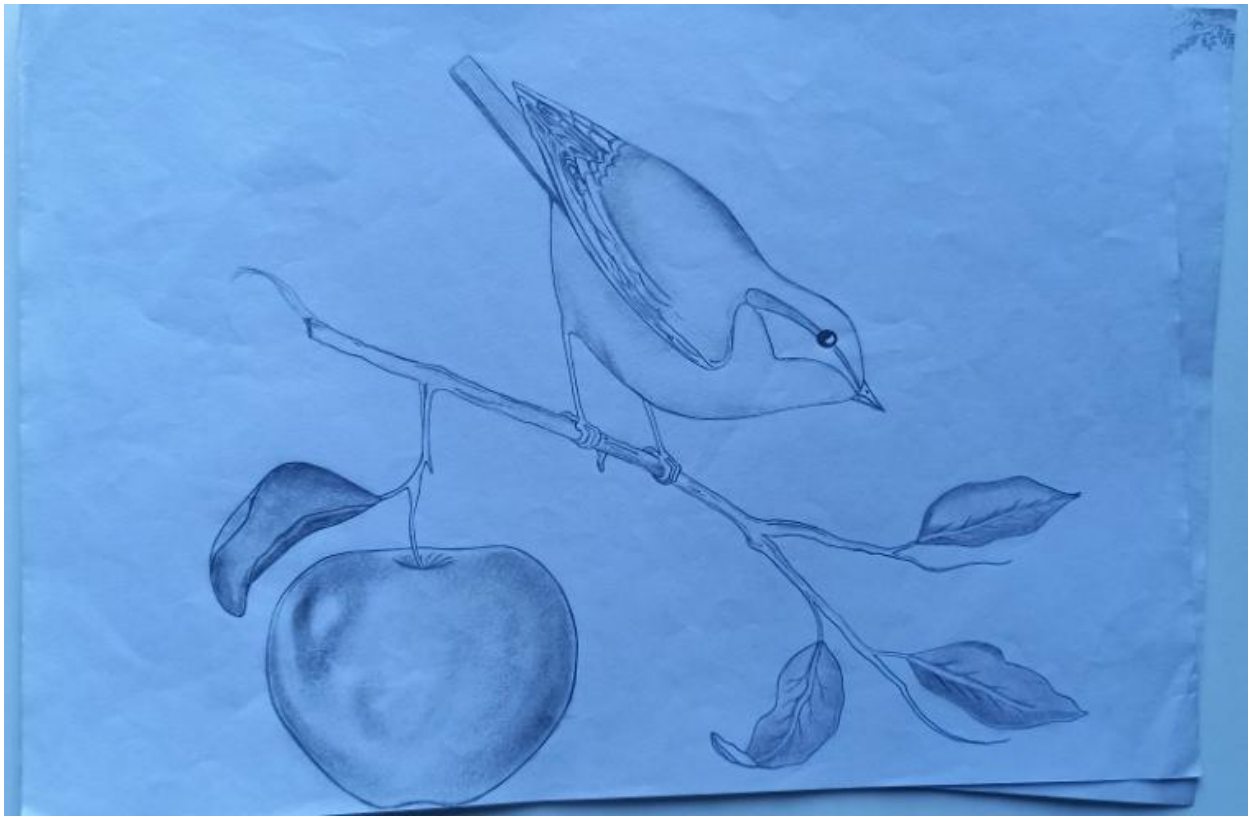

Suraj Kumar Banjare

B.Com. II

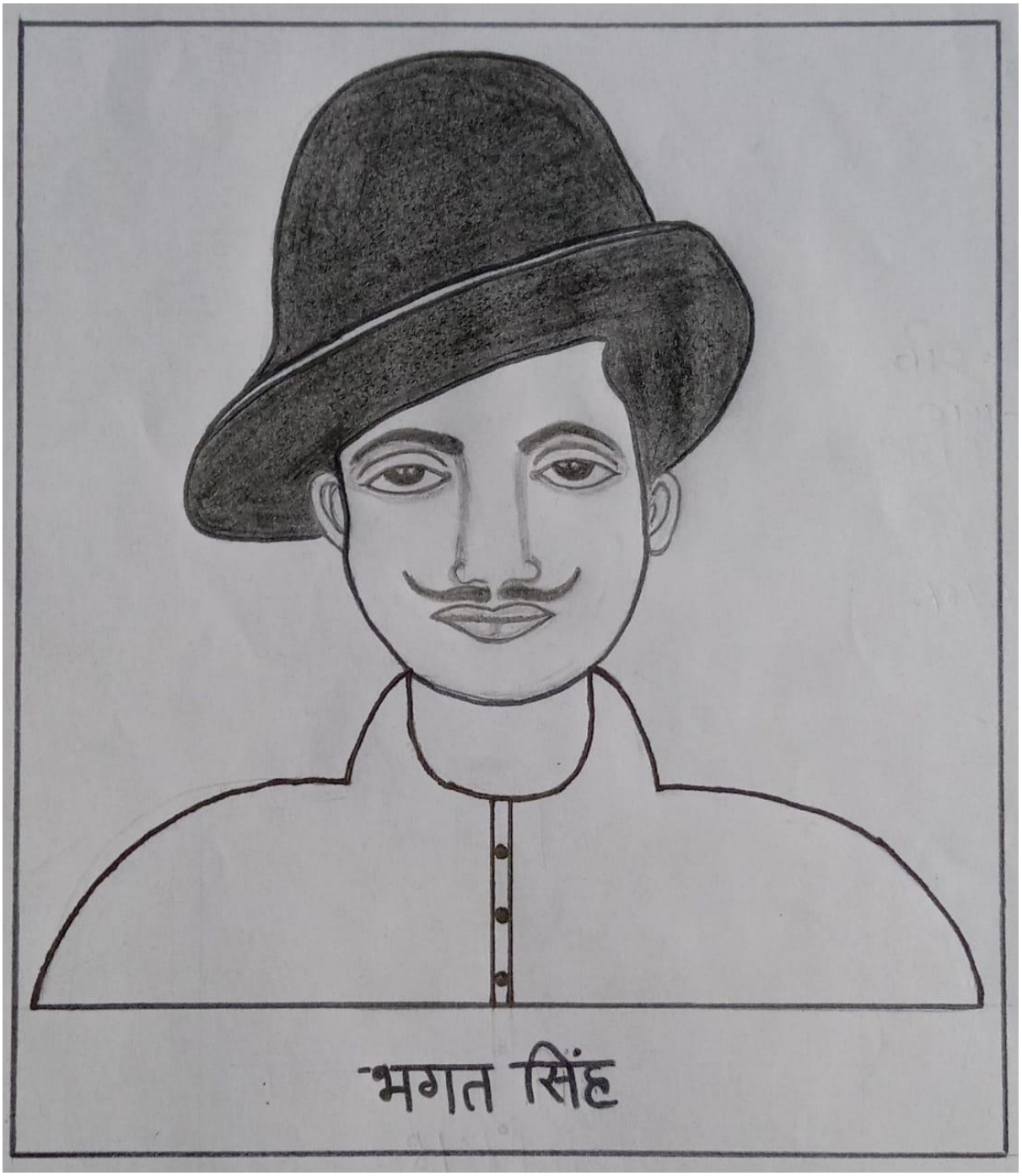

नाम - ज्योति केवट
कक्षा - बी.एस.सी.प्रथम वर्ष (बायो)

Charcoal Painting

Gautam Lahre

B. Com. I

Rohin Yadav B.Sc.III

Lakshyapriya Joshi

B.Sc. II

Mehendi Designs

Priyanka khare

B.Sc.III

Durgeshwari Sahu

B.Sc.III

Aditi Khotel B.Com I

B. Sc. I Shalini and Pallavi

Photo Gallery 2021-22

District level participation in Dance Competition in SNPV Kulmohstsav Seleted Team

District level participation in Dance Competition in SNPV Kulmohstsav

Sector level Athletics competition ...Stood first in 1500 n 800 mt.race

Inbox

Celebration of International Women's Day

Best out of Waste